भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 3489
दिनांक 17 दिसंबर, 2024 के लिए प्रश्न

महाराष्ट्र में दूध उत्पादक

3489. श्री अनूप संजय धोत्रे:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास महाराष्ट्र में इस नीति परिवर्तन से प्रतिकूल रूप से प्रभावित होने वाले दूध उत्पादकों की संख्या संबंधी कोई डेटा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का विचार महाराष्ट्र में पाउडर वाले दूध पर आयात शुल्क घटाने का निर्णय लेने से पहले डेयरी उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ परामर्श करने का है और यदि हां, तो इन परामर्शों के क्या परिणाम रहे;

(ग) सरकार द्वारा महाराष्ट्र में उन दूध उत्पादकों की सहायता करने के लिए क्या उपाय कार्यान्वित किए गए हैं, जो दूध पाउडर पर कम आयात शुल्क के कारण वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं;
(घ) सरकार का विचार महाराष्ट्र में घरेलू दूध उत्पादकों के लिए सस्ते आयातित पाउडर वाले दूध से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच उचित बाजार की स्थिति किस प्रकार सुनिश्चित करने का है; और

(ङ) क्या सरकार का विचार स्थानीय उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए दूध की कीमतों को विनियमित या स्थिर करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) और (ख) स्किम्ड दूध पाउडर पर आयात शुल्क को कम नहीं किया गया है। इसलिए दूध उत्पादक प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं हुए हैं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) और (ड.) पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार देश में दूध और दूध उत्पादों की खरीद और बिक्री मूल्यों को विनियमित नहीं करता। सहकारी और निजी डेयरियों द्वारा उनकी उत्पादन लागत और बाजार शक्तियों के आधार पर मूल्य तय किए जाते हैं।

हालांकि, पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार दूध उत्पादन और दूध प्रसंस्करण अवसंरचना के संबंध में राज्य सरकार द्वारा किए गए प्रयासों को संपूरित करने के लिए देश भर में निम्नलिखित डेयरी विकास योजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है:

(i) राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD)
(ii) डेयरी कार्यकलापों में लगी डेयरी सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों को सहायता (SDCFPO)
(iii) पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (AHIDF)
(iv) राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM)
(v) राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM)
(vi) पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP)

ये योजनाएं बोवाइन पशुओं की दूध उत्पादकता में सुधार करने, डेयरी सहकारी समितियों के नेटवर्क का विस्तार करने, डेयरी अवसंरचना को सुदृढ़ करने, कार्यशील पूंजी की आवश्यकता, आहार और चारे की उपलब्धता बढ़ाने तथा पशु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में मदद कर रही हैं। ये पहलें दूध उत्पादन की लागत को कम करने और साथ ही डेयरी से आय बढ़ाने में भी मदद करती हैं।

******